

भारत सरकार  
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 2608  
उत्तर देने की तारीख 17.03.2025  
सोमवार, 2025/26 फाल्गुन, 1946 (शक)

नए छात्रावास भवन का ऊर्जा-कुशल डिजाइन

2608. श्री हँसमुखभाई सोमाभाई पटेल:

श्री तेजस्वी सूर्योः

श्री मितेश पटेल (बकाभाई):

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा नए छात्रावास भवनों के ऊर्जा कुशल डिजाइन को बनाए रखने के लिए क्या योजना बनाई जा रही है;
- (ख) देश में प्रशिक्षुओं के लिए छात्रावास और विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिए छात्रावास किफायती बने रहें यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
- (ग) प्रशिक्षुओं के लिए दिशा-निर्देश, कैरियर मार्गदर्शन और संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए छात्रावास किस प्रकार सहायता प्रदान करेंगे ?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) संचालित करता है जिसका उद्देश्य अनुदेशक प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक कौशल तथा प्रशिक्षण कार्य पद्धति, दोनों में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि उन्हें उद्योग के लिए कुशल जनशक्ति प्रशिक्षण हेतु तकनीकों में निपुण बनाया जा सके। सीआईटीएस देश भर में 33 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) और 120 प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीओटी) (109 राज्य सरकार और 11 निजी स्वामित्व वाले) के नेटवर्क के माध्यम से प्रदान किया जाता है।

प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) द्वारा संचालित 33 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों में से 19 महिला एनएसटीआई हैं और 14 सामान्य एनएसटीआई हैं। इसके अलावा 24 एनएसटीआई अपने स्वयं के भवन में स्थित हैं। कुल 26 छात्रावास (11 पुरुष छात्रावास और 15 महिला छात्रावास) हैं।

प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के अंतर्गत छात्रावास सुविधाओं सहित लगभग सभी एनएसटीआई भवनों का डिजाइन और निर्माण आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा किया जा रहा है। सीपीडब्ल्यूडी ने सूचित किया है कि भवन की सांस्थिति (टोपोलॉजी) के अनुसार निर्मित क्षेत्र का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए टिकाऊ स्थल आयोजना की जाती है। यह भी बताया जा रहा है कि स्थायी निर्माण सामग्री/वैकल्पिक सामग्री का उपयोग किया जाता है ताकि पारंपरिक अस्थायी सामग्रियों जैसे कि दीवारों का निर्माण ओपीसी/पीपीसी सीमेंट के बजाय फ्लाई ऐश ईट से किया जाता है, की आवश्यकता को कम किया जा सके। सीपीडब्ल्यूडी यह भी सुनिश्चित करता है कि भवनों में ऊर्जा दक्ष डिजाइन शामिल हो, जिससे उनके पूरे जीवन चक्र में कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम रहे।

नए छात्रावासों को जलवायु प्रतिक्रिया, इष्टतम दिशा, धूप की सुलभता और प्राकृतिक वैंटीलेशन को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित तरीके से तैयार किया गया है। ऊर्जा दक्षता को और बेहतर बनाने के लिए, इन छात्रावासों में एलईडी लाइटिंग, सौर-ऊर्जा से चलने वाली स्ट्रीट लाइट, पंखे और अन्य ऊर्जा दक्ष उपकरण शामिल किए गए हैं।

एनएसटीआई परिवृश्य के भीतर ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने के लिए, ऊर्जा के नवीकरणीय साधनों को शामिल करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। इस पहल के हिस्से के रूप में, 24 एनएसटीआई में 2,206 वाले रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं जिनकी कुल क्षमता 2206 किलोवाट है।

(ख) दीर्घावधि पाठ्यक्रमों के अंतर्गत नामांकित प्रशिक्षुओं के लिए छात्रावास के कमरे बहुत किफायती दरों पर उपलब्ध कराए जाते हैं, जो सभी एनएसटीआई में एक समान है। छात्रावासों में प्रशिक्षुओं के लिए मामूली दरों पर भुगतान आधार पर भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है।

(ग) प्रशिक्षुओं को एनएसटीआई में काउंसलिंग प्रकोष्ठ के माध्यम से कैरियर काउंसलिंग, मार्गदर्शन और प्रासंगिक शिक्षण संसाधन प्रदान किए जाते हैं। इसके अलावा, अधिकांश एनएसटीआई में पुस्तकालय, खुला सभागार, टीवी सहित मनोरंजन कक्ष, विभिन्न खेल सुविधाएँ और कैटीन भी उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं का लाभ एनएसटीआई छात्रावासों में रहने वाले प्रशिक्षु उठा सकते हैं। संस्थानों में प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल भी है, जो इन प्रशिक्षुओं को ऑन-द-जॉब (ओजेटी) प्रशिक्षण, औद्योगिक दौरे, प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से प्रतिष्ठित उद्योगों में प्लेसमेंट के लिए मदद करता है।